अध्याय- तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

अध्याय तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

प्रस्तुत अध्याय में शोध की प्रविधि, प्रक्रिया एवं उससे संबंधित पदो का विवरण प्रस्तुत किया गया है। इसमें उपरोक्त विवरण निम्न शीर्षकों के अन्तर्गत किया गया है–

3.1 जनसंख्या–

इकाईयों के समूचे समूहों को जिसके लिए चर का मान निकालना अभीष्ट है, जनसंख्या या समष्टि (Population) कहते है।

मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले में अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों में सन् 2008–09 में अध्यापनरत् जैन, ईसाई व मुस्लिम समुदायों के समस्त अध्यापक प्रस्तुत शोध की जनसंख्या है।

3.2 न्यादर्श का चयन–

न्यादर्श का चयन हेतु शोधकर्ता द्वारा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी भिण्ड (म.प्र.) से जिले में संचालित हाईस्कूल स्तर तक के विद्यालयों की सूची प्राप्त की गई। जिसमें से अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों की पहचान की गई। इस प्रकार जिले में 11 ईसाई, 9 जैन व 7 मुस्लिम समुदायों द्वारा संचालित विद्यालय पाये गये। उपरोक्त विद्यालयों में से प्रत्येंक समुदाय से तीन–तीन विद्यालयों का चयन यादृच्छिक न्यादर्शन विधि से लाटरी पद्धति द्वारा किया गया। शिक्षकों के चयन हेतु शोध कर्ता ने सविचार निदर्शन पद्धति का प्रयोग करते हुए प्रत्येंक समुदाय (जैन, ईसाई,मुस्लिम) से 25–25 शिक्षकों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया।

इस प्रकार शोधकर्ता ने अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित 9 विद्यालयों का चयन किया। जिनमें से कुल 75 शिक्षकों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया है।

सारणी 3.2.1 शोध कार्य हेतु चयनित विद्यालयों के नाम

क्रमांक संख्या	विद्यालय का नाम
1.	सम्यग्ज्ञान हाईस्कूलभिण्ड म.प्र.
2.	जैन प्रा/मा./ हाईस्कूलभिण्ड म.प्र.
3.	पारस पब्लिक स्कूल रौन, भिण्ड म.प्र.
4.	सेंट माईकल स्कूल कीरतपुरा, भिण्ड म.प्र.
5.	गुड शफर्ड मिशन स्कूल भिण्ड म.प्र.
6.	सेंट इम्मानुअल मिशन स्कूल भिण्ड म.प्र.
7.	ए.एस. फरवरूद्दीन शाह मा./हाईस्कूलभिण्ड म.प्र.
8.	हामिद निजामिया मदरसा रौन, भिण्ड म.प्र.
9.	विस्मिल्ला खाँ उर्द् मदरसा भिण्ड म.प्र.

सारणी 3.2.2 न्यादर्श के रूप में चयनित शिक्षकों का समुदाय व लिंग के आधार पर विवरण

क्र.सं.	वर्गीकरण का आधार	समूह	अध्यापकों की संख्या
1.	अल्पसंख्यक समुदाय	जैन	25
		ईसाई	25
		मुस्लिम	25
		योग	**75**
2.	लिंग	पुरूष	44
		महिला	35
		योग	**75**

सारणी 3.2.3 चयनित विद्यालयों से समुदाय व लिंग के आधार पर चयनित शिक्षकों का विवरण

क्र.	विद्यालय का नाम	समुदाय	संख्या		योग
			शिक्षक (पुरूष)	शिक्षक (महिला)	
1.	सम्यग्ज्ञान हाईस्कूल भिण्ड	जैन	5	3	8
2.	जैन प्रा./मा./ हाईस्कूल भिण्ड	जैन	6	4	10
3.	पारस पब्लिक हाईस्कूल रौन, भिण्ड	जैन	3	4	7
4.	सेंट माईकल स्कूल कीरतपुरा, भिण्ड म.प्र.	ईसाई	6	4	10
5	गुड शफर्ड मिशन स्कूल भिण्ड म.प्र.	ईसाई	5	3	8
6	सेंट इम्मानुअल मिशन स्कूल भिण्ड म.प्र.	ईसाई	3	4	7
7	ए.एस. फरवरूद्दीन शाह मा./ हाईस्कूल भिण्ड म.प्र.	मुस्लिम	6	4	10
8	हामिद निजामिया मदरसा रौन, भिण्ड म.प्र.	मुस्लिम	4	2	6
9	विस्मिल्ला खाँ उर्द् मदरसा भिण्ड म.प्र.	मुस्लिम	6	3	9
		योग	44	31	75

3.3 शोध के चर–

1. आश्रित चर– अल्पसंख्यक समुदाय
2. स्वतंत्र चर– धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति

3.4 प्रयुक्त उपकरण–

प्रस्तुत शोधकार्य में आँकड़ों के संकलन हेतु मेहरा एवं सिन्हा (1992) द्वारा निर्मित "सेक्यूलर एटीट्यूट स्केल" (एस.ए. एस.) का उपयोग किया गया हैं। इस मापनी के द्वारा शिक्षकों की पाँच अभिवृत्तियों का मापन गया। जैसे कि धर्मनिरपेक्षता और धर्म के अन्तर्गत सहनशीलता, अहस्तक्षेप, समानता, वैज्ञानिक मनोवृत्तियों में तर्क संगत आधार, समरूपता। इस मापनी में कुल. 35 प्रश्नों का समावेश किया गया। इस उपकरण में 5 बिन्दु पैमाने का प्रयोग किया है जहाँ–

- → विल्कुल सहमत हेतु 5 अंक
- → सहमत हेतु 4 अंक
- → अनिश्चित हेतु 3 अंक
- → असहमत हेतु 2 अंक
- → विल्कुल असहमत हेतु 1 अंक

मापनी में उपरोक्त वर्णित क्रम का ध्यान रखते हुय निम्न प्रश्न क्रमांकों क्रमश– 2,5,10,11,15,16,18,20,24,25,28,29,30,32,33 व 34 को प्रयोग में लाया गया गया।

जबकि इसके विपरीत स्कोरिंग में निम्न प्रश्न क्रमांकों कमशः 1,3,4,6,7,8,9,12,13,14,17,19,21,22,23,26,27,31व 35 को प्रयोग में लाया गया।

इस प्रकार यहाँ अधिकतम सम्भावित स्कोर(योग) 175 तथा न्यूनतम सम्भावित स्कोर(योग) 35 है। जिस शिक्षक का स्कोर (योग) 98 से कम है। वह शिक्षक कम धर्मनिरपेक्ष अभिवृत्ति की और प्रदर्शित करता है जिस शिक्षक का स्कोर 130 से अधिक है वह अधिक धर्मनिरपेक्ष अभिवृत्ति को प्रदर्शित करता है।

इस मापनी की विश्वसनीयता अर्द्ध–विच्छेद विधि से 0.929 तथा स्पीयर मेन ब्राउन फार्मला से 0.963 है।

3.5 ऑकड़ों का संकलन–

आँकड़ों के संकलन हेतु शोधकर्ता ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल (म.प्र.) से अनुमति पत्र प्राप्त किया। इसके बाद शोद्यार्थी ने

चयनित विद्यालयों मे जाकर प्राचार्य से अपने शोध के विषय में निवेदन करते हुये सम्पूर्ण जानकारी से अवगत कराया। प्राचार्य ने अगले दिन भोजनावकाश के बाद सभी अध्यापकों को सभाग्रह में एकत्रित करने हेतु एक आदेश जारी किया। सभा ग्रह में शोधकर्ता ने सभी शिक्षकों को एम.एड़ पाठ्य क्रम व अपने शोध के विषय से परिचित कराया उसके बाद सभी शिक्षकों को एक–एक उपकरण (पत्रक) दिया तथा उस पर दिये गये निर्देशों को पढ़ने के लिए कहा। मापनी में 35 कथन थे जिसके बारे में शिक्षक को अपनी राय के अनुसार निधारित स्थान पर (☐) सही (✓) का निशान लगाना था। इसके लिए शिक्षकों को 1घंटे का समय दिया गया उसके बाद प्रत्येंक शिक्षक से पत्रक वापिस ले लिया गया। इस प्रकार आंकड़ों के संकलन हेतु शोध कर्ता को 10 दिवस का समय लगा।

3.6 फलांकन (स्कोरिंग)–

जिस शिक्षक ने मापनी में बिलकुल सहमत, सहमत, अनिश्चित, असहमत, बिलकुल असहमत के नीचे बने खानें (☐) में सही (✓) का निशान लगाया उसे क्रमशः 5,4,3,2,1 अंक प्रदान किये गये। इसी प्रकार 35 कथनों को जाँचा गया। यहाँ अधिकतम सम्भावित स्कोर 175 व न्यूनतम सम्भावित स्कोर 35 हैं जिसका स्कोर 98 से कम है, वह कम धर्मनिरपेक्ष अभिवृत्ति को तथा जिसका स्कोर 130 से अधिक है, वह अधिक धर्मनिरपेक्ष अभिवृत्ति को प्रदर्शित करता है।

3.7 प्रयुक्त सांख्यिकीय–

अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार प्राप्त आंकड़ों को अनेक समूहों में वर्गीकृत कर इनमें से निष्कर्ष निकालने हेतु मध्यमान (Mean) मानक विचलन (S.D.) ANOVA (F परीक्षण) एवं टी. (t) मान की गणना गई।